DAINIK BHASKAR, Delhi, 29.4.2024
Page No. 6, Size:(17.13)cms X (8.35)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डिपो की इमारतों व शेड पर लगेंगे सोलर पैनल, लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा होगी

सूरत के बाद बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो भी लेने लगा आकार, 83 हेक्टेयर में तेजी से चल रहा काम

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

सूरत के नियोल में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के रोलिंग स्टॉक डिपो बनाने का काम चल रहा है। वहीं अब बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा रोलिंग स्टॉक डिपो भी साबरमती में आकार लेने लगा है। यह डिपो 508 किमी लंबे हाई स्पीड कॉरिडोर के कुल तीन डिपो में सबसे बड़ा है। 83 हेक्टेयर जमीन पर इस डिपो का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह डिपो में निरीक्षण खंड, वॉशिंग प्लांट, वर्कशॉप, शेड एवं स्टेबलिंग लाइनों सहित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगा।

साबरमती डिपो में होंगी ये सुविधाएं

- साबरमती डिपो में 4 निरीक्षण और 10 स्टेबलिंग लाइनें होंगी।
- आने वाले समय में निरीक्षण लाइनों की संख्या 8 और स्टेबलिंग लाइनों की संख्या 29 तक करने की योजना।
- डिपो में रखरखाव की व्यापक क्षमता के लिए बोगी एक्सचेंज लाइन एवं सामान्य निरीक्षण लाइन जैसी विशेष सुविधाएं भी होंगी।
- ट्रेन सेट की ओवरहालिंग के बाद के परीक्षण के लिए डेडिकेटेड परीक्षण ट्रैक, मेनलाइन पर तैनाती से पहले ऑप्टिमम परफॉरमेंस सुनिश्चित किया जाएगा।
- रखरखाव एवं ओवरहालिंग संबंधी कार्यों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने को विशिष्ट पैमाने के इंडस्ट्रियल शेड बनाए जाएंगे।
- कुशल ट्रेन शंटिंग संचालन और डिपो के प्रबंधन के लिए केंद्रीकृत नियंत्रण सुविधाएं होंगी।
- डिपो में भोजन कक्ष, कैंटीन, ऑडिटोरियम और प्रशिक्षण सुविधाएं भी होंगी।

प्रशासनिक भवन की नींव और आरसीसी का कार्य प्रगति पर

बुलेट ट्रेन के साबरमती डिपो में ट्रेनों और परिसर के भीतर उत्पन्न कचरे को अलग करने, संघनन करने तथा इसके उचित प्रबंधन के लिए सुविधा उपलब्ध की जाएगी। डिपो शेड एवं इमारतों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि भविष्य में सोलर पैनल भी लगाए जा सकेंगे। अकेले साबरमती डिपो में लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता होगी। प्रशासनिक भवन की नींव डालने और आरसीसी का कार्य प्रगति पर है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 29.4.2024
Page No. 3, Size:(20.72)cms X (10.25)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डिपो की इमारतों व शेड पर लगेंगे सोलर पैनल, लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा होगी

सूरत के बाद बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो भी लेने लगा आकार, 83 हेक्टेयर में तेजी से चल रहा काम

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

सूरत के नियोल में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के रोलिंग स्टॉक डिपो बनाने का काम चल रहा है। वहीं अब बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा रोलिंग स्टॉक डिपो भी साबरमती में आकार लेने लगा है। यह डिपो 508 किमी लंबे हाई स्पीड कॉरिडोर के कुल तीन डिपो में सबसे बड़ा है। 83 हेक्टेयर जमीन पर इस डिपो का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह डिपो में निरीक्षण खंड, वॉशिंग प्लांट, वर्कशॉप, शेड एवं स्टेबलिंग लाइनों सहित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगा।

साबरमती डिपो में होंगी ये सुविधाएं

- साबरमती डिपो में 4 निरीक्षण और 10 स्टेबलिंग लाइनें होंगी।
- आने वाले समय में निरीक्षण लाइनों की संख्या 8 और स्टेबलिंग लाइनों की संख्या 29 तक करने की योजना।
- डिपो में रखरखाव की व्यापक क्षमता के लिए बोगी एक्सचेंज लाइन एवं सामान्य निरीक्षण लाइन जैसी विशेष सुविधाएं भी होंगी।
- ट्रेन सेट की ओवरहालिंग के बाद के परीक्षण के लिए डेडिकेटेड परीक्षण ट्रैक, मेनलाइन पर तैनाती से पहले ऑप्टिमम परफॉरमेंस सुनिश्चित किया जाएगा।
- रखरखाव एवं ओवरहालिंग संबंधी कार्यों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने को विशिष्ट पैमाने के इंडस्ट्रियल शेड बनाए जाएंगे।
- कुशल ट्रेन शंटिंग संचालन और डिपो के प्रबंधन के लिए केंद्रीकृत नियंत्रण सुविधाएं होंगी।
- डिपो में भोजन कक्ष, कैंटीन, ऑडिटोरियम और प्रशिक्षण सुविधाएं भी होंगी।

प्रशासनिक भवन की नींव और आरसीसी का कार्य प्रगति पर

बुलेट ट्रेन के साबरमती डिपो में ट्रेनों और परिसर के भीतर उत्पन्न कचरे को अलग करने, संघनन करने तथा इसके उचित प्रबंधन के लिए सुविधा उपलब्ध की जाएगी। डिपो शेड एवं इमारतों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि भविष्य में सोलर पैनल भी लगाए जा सकेंगे। अकेले साबरमती डिपो में लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता होगी। प्रशासनिक भवन की नींव डालने और आरसीसी का कार्य प्रगति पर है।

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 27.4.2024
Page No. 2, Size:(21.71)cms X (10.46)cms.

Largest Bullet Train Maintenance Depot to be built at Sabarmati in 83 Hectares, to be designed on the theme of Japanese Depots, to build small Depots in Surat-Mumbai

સાબરમતી ખાતે 83 હેક્ટરમાં બુલેટ ટ્રેનનું સૌથી મોટું મેન્ટેનન્સ ડેપો બનશે, જાપાનના ડેપોની થીમ પર તૈયાર કરાશે, સુરત-મુંબઈમાં નાના ડેપો બનાવાશે

ભાસ્કર ન્યૂઝ | અમદાવાદ

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ હેઠળ બુલેટ ટ્રેનના રિપેરિંગ અને મેઈન્ટેનન્સ માટે અમદાવાદથી મુંબઈ વચ્ચે ત્રણ ડેપો તૈયાર કરાશે. જેમાં મુખ્ય ડેપો સાબરમતી ખાતે 83 હેક્ટરમાં બનશે. સુરત અને મહારાષ્ટ્રમાં થાણે ખાતે નાના ડેપો તૈયાર કરાઈ રહ્યા છે. સાબરમતી ખાતે બનનારા ડેપોથી પ્રત્યક્ષ અને પરોક્ષ રીતે 1 હજાર લોકોને રોજગારી મળવાની શક્યતા છે.

સાબરમતી ખાતે મુખ્ય ડેપોની કામગીરી શરૂ કરી દેવામાં આવી છે. ડેપો માટેનું ખોદકામ લગભગ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. ડેપોમાં તૈયાર થનાર એડમિનીસ્ટ્રેટિવ (વહીવટી) ઓફિસ માટે ફાઉન્ડેશનનું કામ અને આરસીસીનું કામ ચાલી રહ્યું છે. નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલ કોર્પોરેશનના અધિકારીએ જણાવ્યું કે, બુલેટ ટ્રેનના સંચાલન અને ઓપરેશનલ જરૂરિયાતો સાથેની તમામ સુવિધા સાબરમતી ખાતે રોલિંગ સ્ટોક ડેપોમાં ઊભી કરાશે. લગભગ 83 હેક્ટરમાં ફેલાયેલા આ ત્રણ ડેપોમાંનો સૌથી મોટો ડેપો છે જ્યાં નિરીક્ષણની સાથે વોશિંગ પ્લાન્ટ, વર્કશોપ, શેડ્સ અને સ્ટેબલિંગ લાઈનો અત્યાધુનિક ઉપકરણોથી સજ્જ કરાશે. આ સાબરમતી ડેપો જાપાનના બુલેટ ટ્રેનના ડેપોની થીમ પર તૈયાર કરાશે. તેની સાથે જ ડેપોમાં હાલ 4 પરીક્ષણ લાઈન અને 10 સ્ટેબલિંગ લાઈન તૈયાર કરાશે, જેને ભવિષ્યમાં ડેવલપ કરી 8 પરીક્ષણ લાઈન અને 29 સ્ટેબલિંગ લાઈન સુધી વિસ્તૃત કરી શકાય તેવી યોજના છે.

જાપાનના બુલેટ ટ્રેનના ડેપોની થીમ પર સાબરમતી ખાતે બુલેટ ટ્રેનના ડેપોનું કામ શરૂ કરાયું.

ડેપોમાં ઓડિટોરિયમ, ડાઈનિંગ રૂમ પણ હશે

- ટ્રેનસેટની સંપૂર્ણ તપાસ પછીના પરીક્ષણ માટે ડેડીકેટેડ ટેસ્ટ ટ્રેક.
- ડાઈનિંગ રૂમ, કેન્ટીનથી માંડીને ઓડિટોરિયમ અને તાલીમ સુવિધાઓ.
- વરસાદી પાણીના સંગ્રહ માટે કુંડ તૈયાર કરવાની સાથે તેને ટ્રીટ કરાશે.
- ડ્રેનેજ પાણીને રિસાઈકલ કરી ફરી ઉપયોગમાં લઈ શકાય તેવી સુવિધા.
- સુએજ અને એફ્લુઅન્ટ ટ્રીટમેન્ટ પ્લાન્ટ દ્વારા કચરાનું પર્યાવરણ નિકાલ કરાશે.